

२. उत्तर का मैदान

* उत्तर के मैदान का निर्माण $\rightarrow$ सिंधु + गंगा + ब्रह्मपुत्र नदियों के द्वारा

* उत्तर के मैदान का विस्तार ६ राज्यों में पाया जाता है $\rightarrow$

१. पंजाब	५. बिहार	PMUUPA
२. हरियाणा	६. पश्चिम बंगाल	
३. उत्तर प्रदेश	७. असम	

* उत्तर के मैदान को ५ भागों में बांटा जाता है $\rightarrow$

१. भाबर $\rightarrow$ बड़े-२ पत्थरों के जमाव को 'भाबर' कहा जाता है।

२. तराई $\rightarrow$ छोटे पत्थर व रेत का जमाव 'तराई' कहा जाता है।

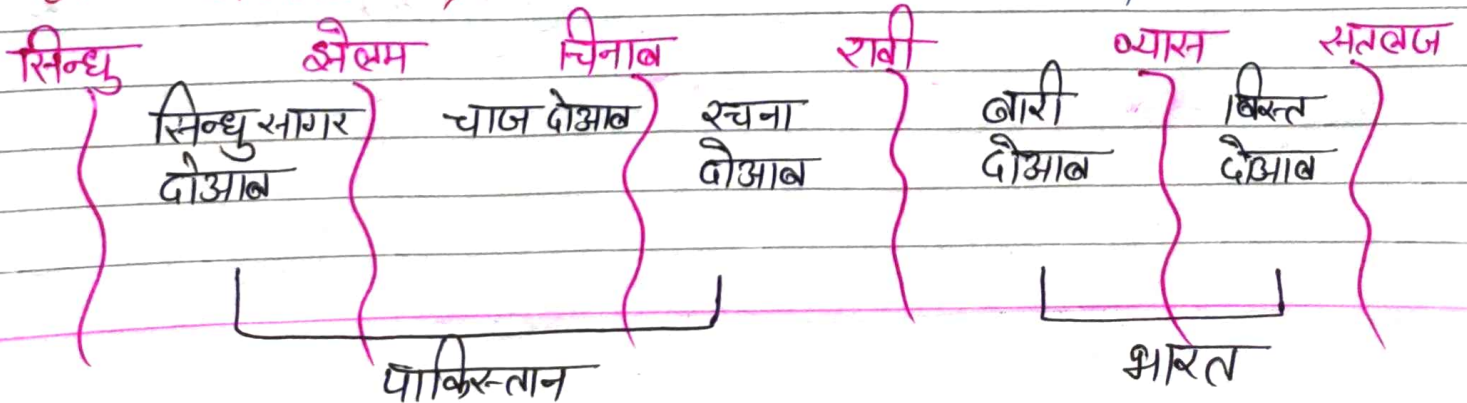
- भाबर में विद्युत् छूँ नदियाँ तराई में दिखाई देने लगती हैं।

३. बांगर $\rightarrow$ पुरानी-जलोढ़ मिट्टी को 'बांगर' कहा जाता है।

४. खादर $\rightarrow$ 'नई जलोढ़ मिट्टी' को 'खादर' कहा जाता है।

* ५. रेह / कल्लर $\rightarrow$ लवणीय / नमकीन भूमि को रेह / कल्लर कहा जाता है।

६ * दोआब $\rightarrow$ दो नदियों के बीच का भाग / समतल भूमि

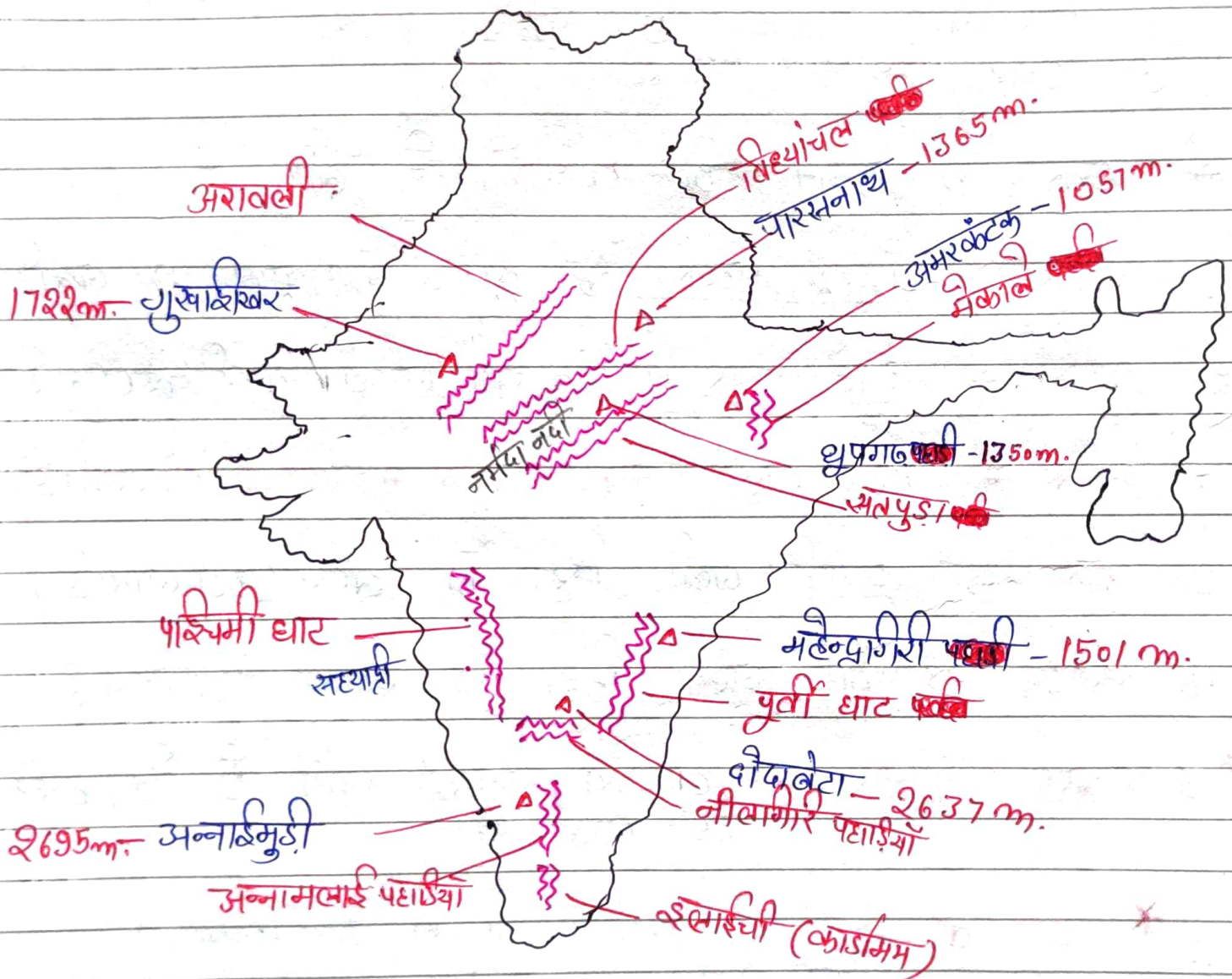


भारत में भूराधारी का उदाहरण - नर्मदा नदी, ताप्ती
विश्व में भूराधारी का उदाहरण - राइन नदी

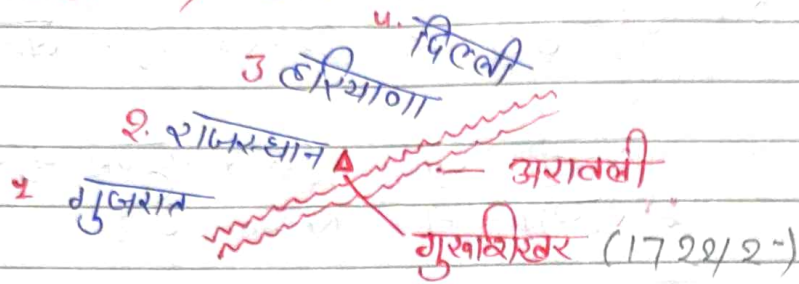
पश्चिमी घाट व पूर्वी घाट का जहाँ मिलने की
नीलागिरी पहाड़ियाँ हैं
कर्नाटक + केरल + तमिलनाडु

उ प्रायद्वीपीय पठार

* प्रायद्वीपीय पठार दुनिया के आधार पर भारत का सबसे बड़ा भाग है। जिसे गोंडवाना लैंड का उत्तरार्ध माना जाता है।

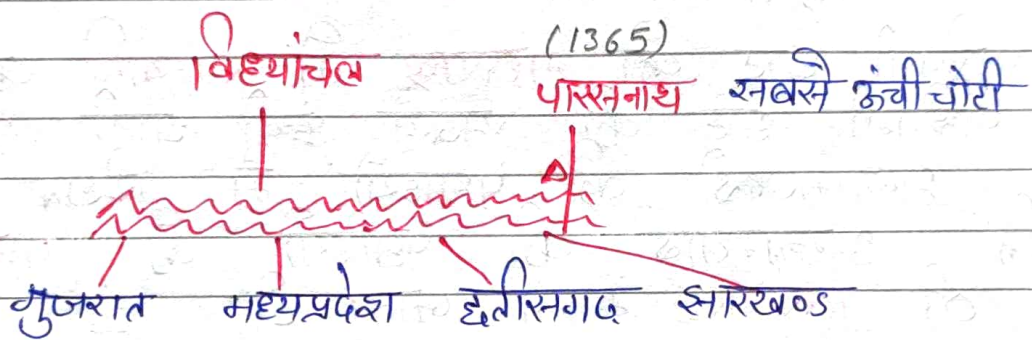


1. अरावली → अरावली का विस्तार 8 राज्यों व 2 केन्द्रशासित प्रदेशों में

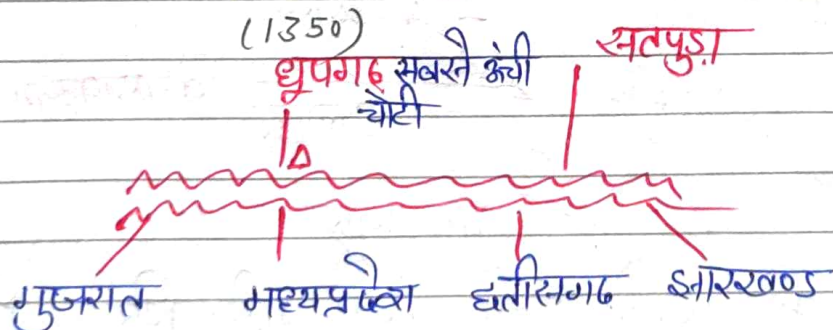


- * अरावली विश्व की सबसे प्राचीनतम वास्तविक पर्वतमाला है।
- * इसकी सबसे ऊँची चोटी गुरुबरीखर (1722/21) है।

2. विहयांचल → विहयांचल का विस्तार मुख्यतः 4 राज्यों में पाया जाता है -



3. सतपुड़ा → सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला की विहयांचल के समानान्तर स्थित है। इसलिए इसका विस्तार भी 4 राज्यों में पाया जाता है।

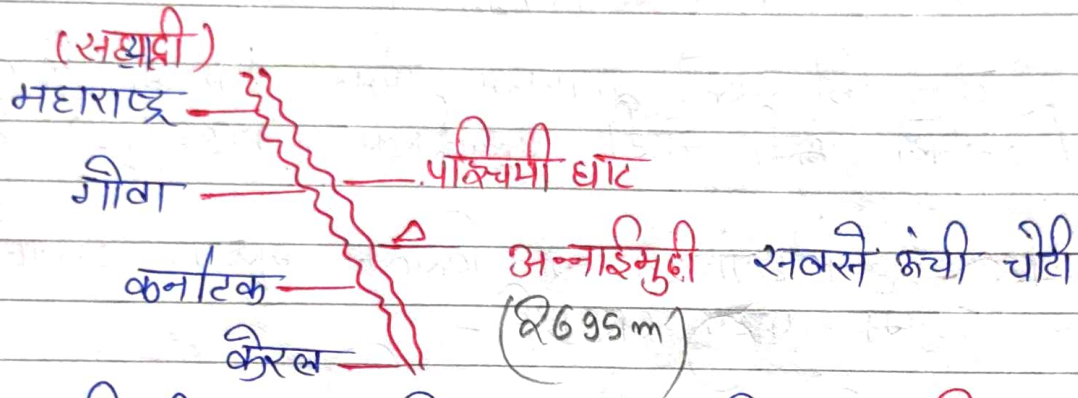


- * विहयांचल व सतपुड़ा के मध्य में नर्मदा प्रवाहित होती है। इसलिए नर्मदा नदी की झुंझावाती (रिफ्ट वैली) का उदाहरण माना जाता है।

* ताप्ती नदी भी दो पर्वतों के मध्य से प्रवाहित होती है -

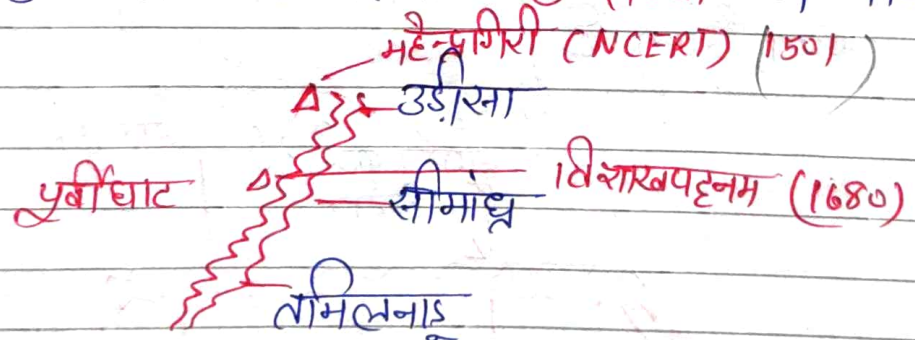
१. सातपुड़ा २. अजन्ता
इसलिए इसको भी भ्रंशघाटी का उदाहरण माना जाता है।

५. पश्चिमी घाट → पश्चिमी घाट अरब सागर के समानान्तर पराज्यों में स्थित है।



* पश्चिमी घाट को महाराष्ट्र में सह्याद्री कहा जाता है।
* पश्चिमी घाट की सबसे ऊँची चोटी अन्नाईमुदी है जो भुवनामल्लाई की पहाड़ियों में स्थित है।
क्योंकि अन्नामल्लाई की पहाड़ियों को पश्चिमी घाट का ही विस्तार माना जाता है।

६. पूर्वी घाट → पूर्वी घाट का विस्तार बंगाल की खाड़ी के समानान्तर स्थित ३ राज्यों में पाया जाता है।

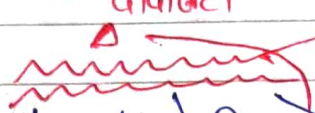


* पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटी महेन्द्रगिरी है (उड़ीसा)।

* पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटी - विशाखापट्टनम / अरीयकोण (सीमांध्र)।

7. नीलगिरि की पहाड़ियाँ → पश्चिमी घाट व पूर्वी घाट
जहाँ मिल जाते हैं उन पहाड़ियों
को नीलगिरि की पहाड़ियाँ के नाम से जाना जाता है।

* नीलगिरि की पहाड़ियाँ 'उराळो' की सीमा पर स्थित हैं।

दीपाबेटा नीलगिरि पहाड़ियाँ

कर्नाटक केरल तमिलनाडु

* नीलगिरि की सबसे ऊँची चोटी दीपाबेटा है।

★ * दीपाबेटा दक्षिणी भारत की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है।

8. अन्नाईमलार् की पहाड़ियाँ → अन्नाईमलार् की पहाड़ियाँ
केरल व तमिलनाडु की

सीमा पर स्थित हैं।
* सबसे ऊँची चोटी अन्नाईमुदी है।

★ * अन्नाईमुदी दक्षिणी भारत की सबसे ऊँची चोटी है।

9. इलायची की पहाड़ियाँ (काडम्म) → यह पहाड़ियाँ
भी केरल व तमिलनाडु
में स्थित हैं।

★ * इलायची की पहाड़ियाँ भारत की सबसे दक्षिणी पहाड़ियाँ हैं।

10. मेकाले पर्वत श्रृंखला → मेकाले पर्वत श्रृंखला मह्यप्रदेवा
उत्तरतम - काराकोरम
व दक्षिणतम की सीमा पर स्थित है।
* इसकी सबसे ऊँची चोटी अमरकंटक है (M.P + दक्षिणतम)